मिथिला चित्रकला

एकवर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

सैद्धान्तिक (एक पत्र) – 75 अंक

प्रायोगिक (एक पत्र) – 100 अंक

परियोजना / प्रषिक्षण / क्षेत्र भ्रमण कार्य रिपोर्ट – 25 अंक

कुल अंक –200 अंक

प्रथम पत्र :

सैद्धांतिक ..... 75 अंक

1. मिथिलांचल का सांस्कृतिक इतिहास
2. 'ललितकला' और 'लोकचित्र' का सैद्धांतिक विवेचन
3. परंपरागत मिथिला चित्र के सांस्कारिक प्रयोग
4. मिथिला–चित्र में प्रयुक्त प्रतीकों के साहित्यिक अर्थ
5. मिथिला–चित्र में प्राकृतिक रंग
6. मिथिला–चित्र के व्यावसायिक प्रयोग
7. अरिपनों के ऐतिहासिक, साहित्यिक एवं पुरातात्विक साक्ष्य तथा क्षेत्र।
8. अरिपनों के तांत्रिक स्त्रोत, यंत्र और सांस्कारिक अरिपन
9. मिथिला–चित्र के लोकगीतीय स्त्रोत (विद्यापति आदि 'अनेक कवियों एवं परंपरागत गीत)

द्वितीय पत्रः

प्रायोगिक – 100अंक

1. भूमि पर गोबर या चिकनी मिट्टी के घोल से सिद्धिरस्तु का आलेखन
2. कागज पर 'पनमा' अरिपन का आलेखन
3. कागज पर 'पुरैन' अरिपन का आलेखन
4. कागज पर 'षंख' अरिपन का आलेखन
5. अरिपन के प्रतीकों, यथा सूर्य, चन्द्र, नवग्रह, कमल , मत्स्य, सर्प, हाथी का आलेखन
6. आकृति–लेखन का चरणबद्ध अभ्यास, पुरूष और स्त्री–आकृति
7. अलंकरण और वस्त्र सज्जा
8. श्रीगणेष (द्विभुजी) का चरणबद्ध आलेखन
9. 'युग्म पुरैन' का आलेखन
10. 'एकल बांस' का आलेखन
11. 'सुग्गा सहित बांस' का आलेखन
12. 'देवोत्थान' अरिपन का आलेखन
13. 'कोबर' अरिपन का आलेखन

परियोजना / प्रषिक्षण / क्षेत्र भ्रमण कार्य रिपोर्ट 25 अंक

सहायक पुस्तकें:

1. मिथिला चित्र षिक्षा भाग 1–2 – कृष्ण कुमार कष्यप और शषिबाला
2. मिथिला चित्र– कोर, भाग–3 – कृष्ण कुमार कष्यप और शषिबाला
3. मिथिला अरिपन – कृष्ण कुमार कष्यप और शषिबाला
4. मिथिलांचल की कला – डॉ0 ओम प्रकाष गुप्त
5. मिथिला चित्रकला की तकनीक– डॉ0 ओम प्रकाष गुप्त